13

किताबें

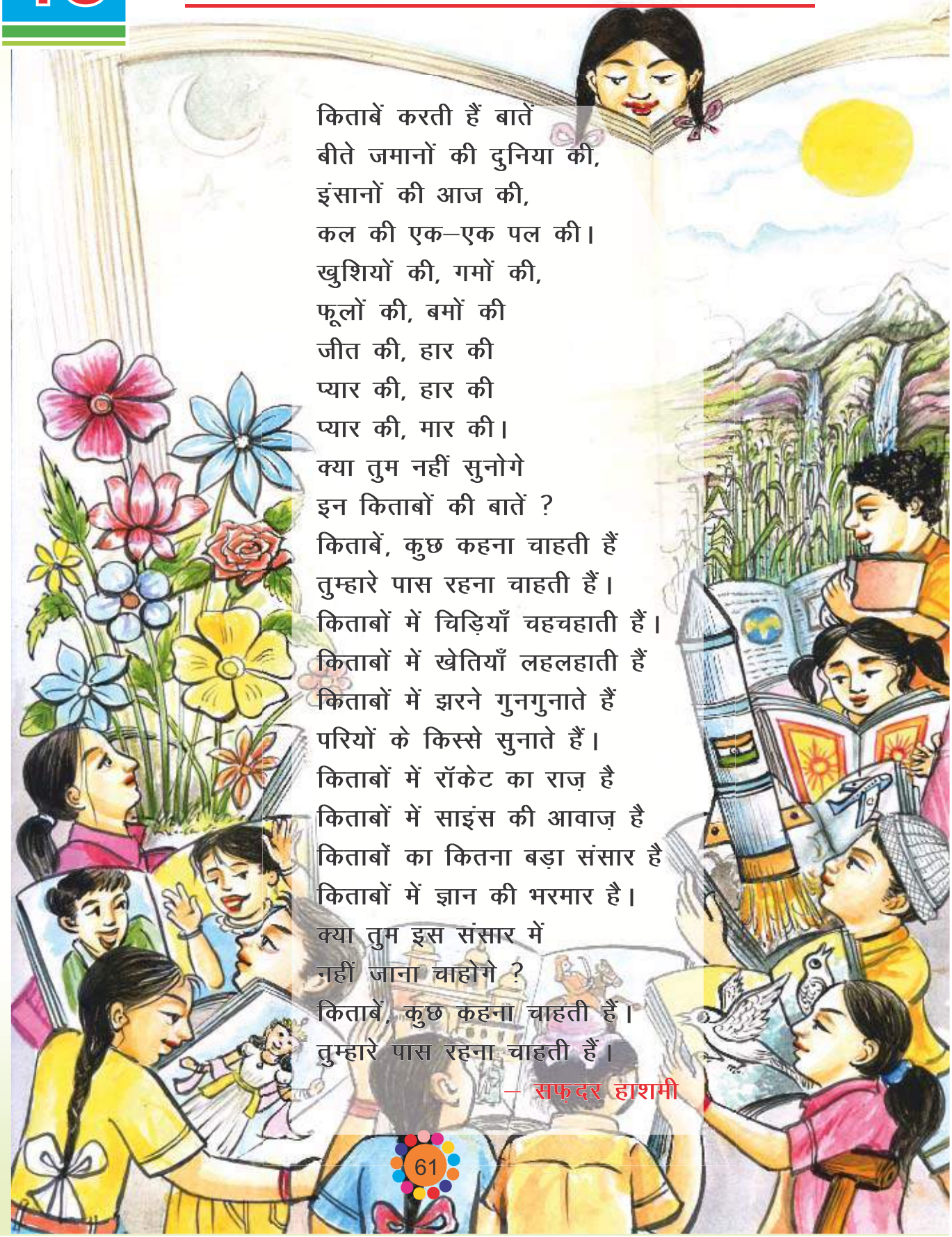

किताबें करती हैं बातें
बीते जमानों की दुनिया की,
इंसानों की आज की,
कल की एक–एक पल की।
खुशियों की, गमों की,
फूलों की, बमों की
जीत की, हार की
प्यार की, हार की
प्यार की, मार की।
क्या तुम नहीं सुनोगे
इन किताबों की बातें ?
किताबें, कुछ कहना चाहती हैं
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं।
किताबों में चिड़ियाँ चहचहाती हैं।
किताबों में खेतियाँ लहलहाती हैं
किताबों में झरने गुनगुनाते हैं
परियों के किस्से सुनाते हैं।
किताबों में रॉकेट का राज़ है
किताबों में साइंस की आवाज़ है
किताबों का कितना बड़ा संसार है
किताबों में ज्ञान की भरमार है।
क्या तुम इस संसार में
नहीं जाना चाहोगे ?
किताबें, कुछ कहना चाहती हैं।
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं।

— सफ़दर हाशमी

अभ्यास–कार्य

शब्द–अर्थ

ज़माना	–	काल, युग
राज़	–	रहस्य, भेद
इंसान	–	मनुष्य
सांइस	–	विज्ञान

सोचें और बताएँ

1. किताबें क्या करती है ?
2. किताबें किन–किन की बातें करती है ?
3. किताबें क्या करना चाहती है ?

लिखें

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–
   (अ) किताबें ..... चाहती हैं।
   (ब) किताबों में ..... की आवाज है।
   (स) किताबों में ..... की भरमार है।
2. किताबों में किसका राज़ है ?
3. किताबों से तुम्हें किन–किन बातों की जानकारी मिलती है ?
4. किताबें जमाने की व इंसानों की बातें कैसे करती है ?
6. यदि किताबें नहीं होती तो क्या होता ? अपने विचार लिखें।

भाषा की बात

- इनकी आवाज को नाम दो –

(अ) चिड़िया के बोलने की	–	चहचहाट
(ब) पत्तों के हिलने की	–	.....
(स) बादल के गरजने की	–	.....
(द) नदी के बहने की	–	.....

- पाठ में फूल शब्द आया है – फूल को सुमन, कुसुम, प्रसून आदि भी कहते हैं। इन शब्दों

को समानार्थी कहते हैं। इसी प्रकार निम्न शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

संसार – .....

हवा – .....

पानी – .....

आकाश – .....

किताबें – .....

मनुष्य – .....

बादल – .....

यह भी करें

- इस कविता को मौखिक रूप से याद कर कक्षा में सुनाएँ।

सत्यं शिवं सुंदरम्।